

बर्ष:- 06

अंक:- 03

मुरादाबाद

(Friday)

24 April 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

# कपिल सिब्बल सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड  
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

## भय जा रहा, भरोसा आ रहा: बंगाल में ममता बनर्जी पर गरजे PM मोदी, बोले- झालमुड़ी मैंने खाई, मिर्ची TMC को लगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नादिया के कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने टीएमसी सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब भ्रष्टाचार और कुशासन से ऊब चुकी है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नादिया जिले के कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव



आयोग की जमकर तारीफ की और टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। चुनाव आयोग की क्या तारीफ की? पीएम मोदी ने कहा, मैं कह सकता हूँ कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें हिंसा बिल्कुल न्यूनतम स्तर पर है। उन्होंने कहा कि पहले तो हर हफ्ते किसी को फांसी पर लटका देना और उसे आत्महत्या

बता देना आम बात थी। यहां अराजकता और गुंडागर्दी का राज था। मैं चुनाव आयोग को हार्दिक बधाई देता हूँ, उन्होंने एक बार फिर बंगाल की धरती पर लोकतंत्र की गरिमा स्थापित की है। पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं यहां के सरकारी कर्मचारियों की भी सराहना करता हूँ। मुझे अब तक मिली जानकारी के आधार पर, मतदान पिछले सभी

रिकार्ड तोड़ रहा है। 1% उन्होंने कहा कि कृष्णानगर में आज भय पर भरोसे की विजय का विश्वास दिख रहा है। बरसों से जिनकी आवाज को दबाकर रखा गया था, वो अब एक सुर में बोल रहे हैं। झालमुड़ी का जिक्र करते हुए टीएमसी पर तंज-प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तंज कसते हुए कहा, झालमुड़ी मैंने खाई और मिर्ची टीएमसी को लग रही

है। उन्होंने कहा कि टीएमसी के विधायकों, मंत्रियों, स्थानीय नेताओं और उनके सिंडिकेट के खिलाफ इतना गुस्सा है कि टीएमसी कई शहरों में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। 15 साल पहले लोगों ने वामपंथियों के खिलाफ बिगुल फूँका था। आज टीएमसी के जंगल राज के विरोध में बंगाल की जनता गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले में शंख फूंक रही है। यह चुनाव जनता लड़ रही है-पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा कि यह चुनाव हम नहीं लड़ रहे हैं, इस बार बंगाल में चुनाव खुद यहां की जनता लड़ रही है। उन्होंने कहा, यह उत्साह, यह उमंग, यह जोश भरोसे का है। भय जा रहा है, भरोसा आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव, गली-गली, स्त्री-पुरुष, युवा-बुजुर्ग सब एक साथ बोल रहे हैं और बदलाव चाहते हैं।

## कपिल सिब्बल का चुनाव आयोग पर हमला, बोले- बंगाल में हो रहा है मतदान का अधिकार छीनने का प्रयोग

पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर पश्चिम बंगाल में मताधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और सुरक्षा बलों की तैनाती व वोट लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई। पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आयोग पर पश्चिम बंगाल में लोगों के वोट देने का अधिकार छीनने का आरोप लगाया। सिब्बल ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर ऐसा ही करना है तो चुनाव कराने की जरूरत ही क्या है? सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पक्ष भूषण मिलना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि चुनाव आयोग बंगाल में लोगों को मताधिकार से वंचित करने का प्रयोग कर रहा है। इससे पहले बुधवार को सिब्बल ने आरोप लगाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा को जिताने के लिए



उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा था कि ज्ञानेश कुमार राष्ट्रीय शर्म हैं और यह सुनिश्चित करना उनका पेशेगत धर्म है कि भाजपा ही विजयी हो। सिब्बल ने बंगाल में भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में ऐसे नियम नहीं अपनाए गए, जो बंगाल में लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके वोट लिस्ट से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। सिब्बल के अनुसार, चुनाव आयोग अजीब तर्क दे रहा है। अगर किसी

वोट और उसके पिता की उम्र में 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा का अंतर है, तो उनके नाम लिस्ट से काटे जा रहे हैं। उन्होंने इसे पूरी तरह गलत बताया। सिब्बल ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त की बातें तर्कहीन हैं और यह शर्म की बात है कि कोई इस पर कुछ नहीं कर रहा। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। इसमें उत्तर बंगाल की सभी 54 सीटें और मुर्शिदाबाद, नादिया, बीरभूम और हुगली के कुछ इलाके शामिल हैं। राज्य में दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा और नतीजों की घोषणा चार मई को की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार



## व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी को छोड़कर, सभी विचारों का सम्मान, सबरीमाला मामले में सुप्रीम टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सभी बड़े लेखकों और विचारकों को राय का सम्मान करता है, लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं कर सकता। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। सुनवाई के दौरान दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के एक लेख का जिक्र किया। इस पर मुख्य न्यायाधीश सर्यकांत ने कहा कि व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत ही होती है। इस दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा कि जानकारों व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं होनी चाहिए। हालांकि वकील कौल ने जवाब में कहा कि ज्ञान कहीं से भी मिले, उसे स्वीकार करना चाहिए।

## जयशंकर ने जारी किया लोगो और वेबसाइट, कहा- भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-दुबई के लोगो और वेबसाइट लॉन्च किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने अफ्रीका को भारत की विदेश नीति का मुख्य हिस्सा बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का स्थान महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अफ्रीका के साथ भारत का रिश्ता एक साफ सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। यह रिश्ता समानता, आपसी सम्मान और साथ मिलकर तरक्की करने के सिद्धांतों पर टिका है। विदेश मंत्री आगामी भारत-अफ्रीका फोरम समिट-दुबई के लोगो (Logo) थीम और वेबसाइट



के लॉन्च के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम यहां भारत और अफ्रीका की पुरानी और मजबूत साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि भारत और अफ्रीका के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और मानवीय संबंध हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफ्रीकी देश गुलामी के खिलाफ लड़

रहे थे, तब भारत उनके साथ मजबूती से खड़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की अपनी आजादी की लड़ाई का इतिहास भी अफ्रीका से गहराई से जुड़ा हुआ है। संघर्ष, एकजुटता और आगे बढ़ने की हमारी साझा कोशिशें आज भी हमारी दोस्ती को नया रूप दे रही हैं। भविष्य की योजनाओं पर कही ये बात- जयशंकर ने भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि भारत का विकसित भारत 2047 का लक्ष्य और अफ्रीका का एजेंडा 2063 एक-दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों ही योजनाएं टिकाऊ विकास और समावेशी तरक्की का रास्ता

दिखाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच राजनीतिक बातचीत और संपर्क लगातार बढ़ रहे हैं। भारत हमेशा से चाहता है कि दुनिया को चलाने वाली संस्थाओं में अफ्रीका को उसका सही हक मिले। इस दिशा में एक बड़ा कदम 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 (जी20) में शामिल करना था। जयशंकर ने अंत में कहा कि भारत का यह मानना है कि आने वाले समय में दुनिया के बड़े फैसलों में ग्लोबल साउथ की आवाज जरूर सुनी जानी चाहिए। यह साझेदारी भविष्य की वैश्विक व्यवस्था को सुधारने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

## अश्विनी वैष्णव बोले- रेल की पटरियां होंगी स्मार्ट, देखरेख के लिए नया सिस्टम लाने की तैयारी

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, पटरियों की देखरेख के लिए करीब 1800 ट्रेक मशीन हैं, जिन्हें बढ़ाकर तीन हजार करने की योजना है। इन मशीनों की संख्या बढ़ने से ट्रेक की जांच और मरम्मत से जुड़ी पुरानी समस्याएं काफी हद तक दूर हो जाएंगी। केंद्र सरकार रेल की पटरियों की देखरेख के लिए नई प्रणाली रेल कम रोड व्हीकल लाने जा रही है। इसके जरिये कर्मचारी अपने औजार और सामान सीधे वाहन में लेकर ट्रेक तक पहुंचेंगे और पटरियों को दुरुस्त करेंगे। रेल मंत्री



अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट भावनगर डिवाइजन में शुरू कर दिया गया है, जहां परीक्षण के बाद ऐसे दो वाहन तैनात किए गए हैं। इससे पटरियां तो स्मार्ट होंगी ही साथ ही सफर भी सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा, पटरियों की जांच को सटीक बनाने के लिए ड्रोन तकनीक और आधुनिक गेज का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इनकी मदद से ट्रेक के मोड और क्रॉसिंग की सही माप ली

जा सकेगी, जिससे पहले अनुमान के आधार पर होने वाले काम अब पूरी सटीकता के साथ होंगे। रेल मंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में रेल हादसों में करीब 90वें की कमी आई है। अब इसे और कम करते हुए एक अंक तक लाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में 36,000 किमी नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं। हजार करने की योजना है। इन मशीनों की संख्या बढ़ने से ट्रेक की जांच और मरम्मत से जुड़ी पुरानी समस्याएं काफी हद तक दूर हो जाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ट्रेक मटेनर रेलवे संचालन की रीढ़ हैं।

## नहीं रहे शिव रतन अग्रवाल: बिकाजी फूड्स के संस्थापक का निधन, 74 वर्ष की आयु में चेन्नई में ली अंतिम सांस

बीकानेर की गलियों से उठकर वैश्विक बाजारों तक स्वाद का साम्राज्य खड़ा करने वाले शिव रतन अग्रवाल का जाना एक युग का अंत है। उन्होंने न केवल हल्दीराम की विरासत को नया विस्तार दिया, बल्कि बिकाजी के रूप में भारतीय स्वाद को सात समंदर पार एक नई पहचान दिलाई। भारतीय पैकेज्ड फूड इंडस्ट्री के एक स्वर्ण युग का अंत हो गया है। बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल के संस्थापक और विख्यात उद्यमी शिव रतन अग्रवाल का गुरुवार, 23 अप्रैल

2026 को चेन्नई में निधन हो गया। 74 वर्षीय अग्रवाल ने एक क्षेत्रीय नमकीन व्यवसाय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में जो भूमिका निभाई, वह व्यापार जगत के लिए एक मिसाल है। जानकारी के अनुसार, शिव रतन अग्रवाल पिछले कुछ समय से चेन्नई में थे। उनकी पत्नी का हाल ही में बायपास सर्जरी हुआ था और वह उनकी देखभाल के लिए वहां रुके हुए थे। डॉक्टरों ने उन्हें भी आराम करने की सलाह दी थी। गुरुवार को अचानक



उन्हें बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में चेन्नई के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस

ली। शिव रतन अग्रवाल का जन्म उस प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार में हुआ था जिसने हल्दीराम की नींव रखी थी। वह गंगाबिशन

हल्दीराम भुजियावाला के पोते थे। उनके भाइयों ने परिवार के पुरतैनी कारोबार को आगे बढ़ाया, लेकिन शिव रतन ने अपनी एक अलग पहचान बनाने का निर्णय लिया। वर्ष 1986 में उन्होंने शिवदीप प्रोडक्ट्स के साथ अपनी स्वतंत्र यात्रा शुरू की। इसके बाद वर्ष 1993 में उन्होंने बिकाजी ब्रांड लॉन्च किया। इसका नाम बीकानेर के संस्थापक राव बीका के नाम पर रखा गया था। उनका मुख्य उद्देश्य बीकानेर के पारंपरिक स्वाद, विशेषकर वहां की

भुजिया को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाना था। आज बिकाजी न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एक जाना-माना नाम है। बिकाजी भुजिया, नमकीन, मिठाइयों और रेडी-टू-ईट उत्पादों के लिए मशहूर है। व्यापार जगत में अपूरणीय क्षति-बिकाजी फूड्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि शिव रतन अग्रवाल हमेशा से कंपनी के मार्गदर्शक रहे। उन्होंने पारंपरिक स्वाद को आधुनिक व्यावसायिक पद्धतियों के साथ

जोड़कर बिकाजी की नींव रखी। उनकी रणनीतिक सूझबूझ और चुनौतियों को हल करने की क्षमता ने कंपनी को आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, शिव रतन अग्रवाल जी ने बिकाजी ब्रांड के जरिए बीकानेरी भुजिया को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका निधन उद्योग जगत और राजस्थान के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

संपादकीय Editorial

# A Strong Front Against Terror

## Which bird is this 'logical inconsistency'?

The motto of the Election Commission of India has been 'Not a single voter should be left out.' In today's times, this motto has disappeared, transformed into 'non-idealism.' We have been analyzing the Election Commission's 'Special Intensive Review' (SIR) and have raised questions. The same Constitution that granted the Election Commission special powers also grants fundamental rights to every citizen of the country. Voting rights are one of them. Voting rights are the lifeblood and backbone of our democracy, because it is through voting rights that we elect our representatives. They sit in Parliament and Legislative Assemblies and run the national democratic system. What could be more terrible, cruel, and unfortunate for democracy than the Election Commission itself taking away voting rights and deleting the names of countless voters? Today, Thursday, April 23rd, is the first phase of voting in West Bengal. People will cast their ballots in 152 constituencies, casting their right to vote. However, the voting rights of 1,428,771 voters have been suspended by placing them under the category of "logical anomaly." The second phase of voting will be held on April 29th. In this context, the names of 1,287,622 voters have been "red-lined." What exactly is this "logical anomaly"? The Constitution does not provide any other privileges under it. Former Chief Election Commissioners and Election Commissioners are raising such questions, and they are surprised and outraged by the Commission's stance. Over 2.7 million voters in Bengal have been stripped of their constitutional rights, yet the Supreme Court has not issued a direct, unequivocal order that those under investigation be allowed to vote, simply because they are registered on the voter lists. The Constitution also grants such special powers to the judiciary, especially the Supreme Court. The Supreme Court had ordered that a supplementary list of voters whose appeals were accepted be published on April 21st and 27th, and they have the full constitutional right to vote. The question is, voting has already begun, but where is the supplementary list? The Election Commission could more or less clarify this at a press conference. Why does Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar remain silent? When political delegations go to meet him, he rebukes them and tells them to get lost! What is this? Is Gyanesh Kumar a feudal, authoritarian figure? The question also arises: where are all the 19 tribunals that hear appeals? The Supreme Court has also asked the Chief Justice of the Calcutta High Court this question. The "logical discrepancy" was not fixed in the SIRs of other states. In Uttar Pradesh, 28.9 million voters were pending. How was the matter resolved there? Moreover, where did 8.5 million more voters come from? In Bihar, the names of fewer than 10,000 voters were questionable, and therefore pending. There was no "logical anomaly" involved. In fact, English names are spelled in many ways. For example, the word "Choudhary" itself has dozens of different spellings. Can someone's voting rights be taken away on this basis alone? If there is a difference in the age of parents or grandparents, how can the next generation be deprived of the right to vote? Voting rights are a constitutional, fundamental right of every citizen. Are the millions of people whose names have been deleted by the Election Commission no longer citizens of the country? Will their names not be counted in the census? Will they, sooner or later, be expelled from the country? Determining citizenship is neither a "charity" nor a privilege of the Election Commission. Of the voters in the "logical anomaly" category, approximately 66.

'Prahaar' marks a significant shift in India's counterterrorism strategy, but its success will depend on its implementation. India's new counterterrorism strategy, 'Prahaar', is based on intelligence and technology, focusing on preventing the threat of terrorism. India has been facing both direct and indirect terrorism for decades. This fight is not new to us. An example of how brutal terrorism can be was the terrorist attack in Pahalgam last year, in which people were killed after being asked about their religion. As the anniversary of the Pahalgam attack approaches, we must remain vigilant about the threat of terrorism. While terrorism was once confined to border areas and traditional methods, it has now become a global threat, rapidly spreading with the help of high technology, the internet, and international networks. Today, terrorists operate not only with weapons but also through digital means, clandestine financial networks, and ideological propaganda. Without understanding this changing nature, it is impossible to effectively combat terrorism. In this context, the Union Home Ministry has taken a timely initiative. It has been named "Prahaar" (Proactive Response Against Hostile Acts). This initiative could prove to be a game-changer in combating terrorism. India has gained considerable experience fighting terrorism. The "Samadhaan" concept adopted in combating Maoism is an excellent example. Through strong will, clear strategy, improved coordination, and a robust intelligence network, insurgency was largely controlled. This demonstrated that with clear policy and strong coordination between agencies, concrete results can be achieved on the ground. However, today's challenges in combating terrorism are much more severe. Terrorism is primarily nurtured by external forces. It is now expanding in the form of scattered small groups, lone individuals, and online networks. Thus, it operates simultaneously at all three levels: the ground, the internet, and the financial system. Therefore, isolated and uncoordinated efforts will not suffice. A concept like Prahaar has been developed with these aspects in mind. It ensures coordination between technology, intelligence, law and order, financial monitoring, and international cooperation. Its objective is clear: to identify threats, prevent their escalation, and take immediate and strict action when necessary. The most significant feature of this policy is its holistic approach. Terrorism is not a matter of guns or bombs; it is a mindset, a larger network, and a well-planned conspiracy by the enemy. Therefore, its solution must be multifaceted. Prahar is based on seven key pillars, making it a balanced and effective policy. One pillar is prevention, meaning timely action based on intelligence. The second pillar is response, which involves quick and coordinated action on an incident. The third pillar is analysis, which involves decisions based on accurate information and analysis. The fourth pillar is human rights compliance, meaning action within the ambit of law and the Constitution. The fifth pillar is to dismantle terrorist financial infrastructure so that financial support cannot reach them. The sixth pillar is awareness and counter-radicalization, which involves engaging society and timely refuting propaganda. The seventh pillar is resilience and recovery, meaning the rapid restoration of normalcy after an incident. All these pillars form a strategy that not only prevents terrorism but also strengthens society. Today, terrorists are increasingly using new technologies, making traditional policing insufficient. Prahar addresses this gap by incorporating cyber capabilities, modern technology, and financial monitoring into its framework. Over the past few years, India has further clarified its stance against terrorism. From the Balakot airstrikes to Operation Sindoor and the continued crackdown on terrorist networks within the country, India demonstrates that India is no longer limited to a policy of defensiveness. If necessary, it possesses both the capability and the will to take decisive, preemptive and coercive measures. Prahar ensures that such action is not solely dependent on circumstances, but is carried out as part of a systematic policy. The central tenet of this strategy is the prevention of terrorism. The primary objective is to identify and neutralize threats at an early stage. This requires strengthening intelligence-based policing, ensuring real-time information sharing between agencies, dismantling recruitment networks in a timely manner, and eliminating terrorist support mechanisms. Additionally, monitoring radical activities operating on digital platforms and tightening controls on sources of terrorist financing are key components of this framework. Measures such as predicting potential threats through AI, identifying suspicious patterns from big data, drone surveillance along borders, and tracking encrypted communications through cyber forensics make it more effective. Given the digital nature of terrorism, expanding cyber capabilities has become essential, as the increasing use of deepfake-based propaganda has further complicated this challenge. It must also be understood that radicalization cannot be controlled solely through security forces. The involvement of society, educators, religious leaders, and civil society organizations is also essential. Prahaar marks a major shift in India's counterterrorism strategy. Its framework is robust. The government's intentions are clear, but its success will depend on implementation. Formulating a policy is the first step; implementing it on the ground is the real challenge.

## A series of road accidents

More than 20 people lost their lives in a bus accident in Udhampur district, Jammu and Kashmir, raising questions about the state of road safety in the country. More than 20 killed after bus plunges into ravine in Udhampur - Speeding and overloading the main causes - Concrete steps needed to improve road safety. The death of more than 20 passengers after a bus plunged into a deep ravine in Udhampur district, Jammu and Kashmir, is one of the most frequent road accidents. Due to the high death toll, condolences are being expressed at the highest level and assurances are being given of an investigation into the cause of the accident. However, it is well known that such assurances are not helping to reduce road accidents. The number of road accidents and the number of deaths and injuries in our country is constantly increasing. Generally, after every road accident, the same reasons that have caused numerous road accidents are brought to light. Such as overloading, speeding, careless driving, inefficient drivers, ignoring traffic rules, or poor roads or dangerous turns. The accident of the bus full of passengers that fell into a ditch in Udhampur is being attributed to its high speed and overloading. It should be noted that this was a government bus, yet it was so overloaded that some passengers were traveling standing. Extra caution should have been exercised on mountainous roads, but this was not done. It is unlikely that the police did not notice this bus leaving the bus station, but such violations have become so common in our country that no one pays attention to them. Ironically, passengers often do not hesitate to travel standing. They are prepared to face the risk. It is not only passenger vehicles that are overloaded; commercial vehicles also do the same, and this leads to accidents. Our policymakers are well aware of the reasons that are contributing to the increasing number of road accidents, yet they offer only empty promises in the name of addressing them. From public roads to highways, construction is failing to ensure that their design is flawless and that black spots, or risky areas, are not created. Similarly, the police are unable to ensure that no driver violates traffic rules. The empty promises made to prevent the ever-increasing number of road accidents and the resulting deaths, while their duty is dismissed, suggest that human lives are valueless. It would be wise to understand that the millions of premature deaths in road accidents each year are not the result of law, but the consequences of negligence.

## Opportunities for India in the Strait of Hormuz Crisis

The Strait of Hormuz crisis has restructured global trade structures, exposing weaknesses in Gulf countries' supply chains. The Strait of Hormuz crisis is transforming global trade structures. India can become a reliable supplier to Gulf countries, creating a new model for production centers and logistics hubs. The extension of the US-Iran ceasefire suggests that the Strait of Hormuz may reopen. However, even if this happens, a return to the previous order seems unlikely. Before the Iran war began, the Gulf region's maritime transport system rested on a fragile assumption. Approximately 130 ships used to pass through this 33-kilometer-wide narrow strait daily without obstruction, but this assumption has now collapsed. Economically, this means that insurance costs may remain high even after the Strait of Hormuz reopens. Shipping companies are restructuring their routes to reduce their dependence on this route. The Gulf Cooperation Council (GCC) countries are also simultaneously reviewing their food and energy security frameworks. This is not just a geopolitical disruption; it is also a reconfiguration of the global trade structure, restructuring the routes, financial mechanisms, and institutional arrangements that govern how cross-border goods trade operates. India is uniquely positioned in this emerging landscape. For decades, India has been viewed primarily as an energy-dependent economy, heavily dependent on oil and gas from the Gulf region. The Hormuz crisis has also highlighted the fact that India is not only a buyer but also a significant supplier, especially in food and essential commodities. This represents a subtle but significant shift in the balance of power. India's strength lies in its ability to manage multiple relationships simultaneously. It has strategic ties with Iran and is also deepening its relations with the United Arab Emirates (UAE). Its energy ties with Saudi Arabia, Kuwait, and Qatar further strengthen its central role in the region. In the UAE alone, the Indian expatriate community of over 4.3 million forges unparalleled economic, social, and business ties. Trade between India and the UAE is now possible through local currencies, namely rupees and dirhams, instead of the US dollar. This reduces the impact of currency fluctuations and geopolitical financial risks. Such flexibility becomes even more crucial in times of crisis. The Hormuz crisis has exposed the vulnerabilities of the Gulf region's food supply chains. For decades, resilience was not a priority, but today that priority has decisively shifted. Gulf economies are no longer seeking only the cheapest supplier, but prioritize the most reliable partner. This is where India's role becomes crucial. This crisis is also creating conditions for the development of a new supply chain. Within this potential chain, while India will emerge as a production hub, the Gulf region will emerge as a logistics hub and distribution hub. This will lead to a reorganization of the entire supply chain, integrating both flexibility and alternative arrangements. The current situation will generate massive demand for food, medicines, and other essential goods. India is one of the few countries capable of meeting this demand.

# दो साल से बीमार थी युवती, पांच दिन से थी ज्यादा परेशान; मां और भाई का कत्ल करने वाली युवती पर बड़ा खुलासा

मुरादाबाद में मां और भाई की हत्या की आरोपी युवती दो साल से बीमार चल रही थी। वह पांच दिन से ज्यादा परेशान थी। वह घरवालों पर हमला करने की कोशिश कर रही थी। साथ ही बाहर जाने का भी प्रयास कर रही थी। मुरादाबाद में मां और भाई की हत्या की आरोपी युवती को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी युवती दो साल से बीमार चल रही थी। वह पांच दिन से ज्यादा परेशान थी। बार-बार परिवार के लोगों पर हमला करने के लिए दौड़ रही थी। जिस कारण उसे बंधक बनाकर रखा गया था। बुधवार की शाम वह बंधक मुक्त हो गई और उसने हमला कर दिया था। इलाज कराने के बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। वह बार-बार परिवार के लोगों पर हमला करने के साथ ही घर से बाहर भाग रही थी। जिस कारण उसे बांध दिया गया था।



मानसिक रूप से कमजोर बताई जा रही है। घटना के समय परिवार के अन्य लोग खेत पर गेहूँ की कटाई करने गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को हिरासत में ले लिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच के बाद दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कांठ क्षेत्र के भैंसली जमालपुर उर्फ गदापुर गांव निवासी मुन्नी देवी के परिवार में दो बेटे राजीव, अर्जुन और तीन बेटियां सोनिया, भूरी और एक मानसिक रूप से कमजोर बेटा है। मुन्नी के पति की मौत हो चुकी है। बुधवार की शाम मुन्नी का बड़ा बेटा राजीव अपनी बहन सोनिया और भूरी के साथ गेहूँ की कटाई करने के लिए खेत पर गया था, जबकि घर में अर्जुन अपनी मां मुन्नी देवी के साथ मौजूद

था। मुन्नी की मानसिक रूप से कमजोर बेटा घर के आंगन में एक साइड पड़ी चारपाई पर थी और रस्सी से बंधी थी। अर्जुन भी आंगन में दूसरी चारपाई पर सो रहा था। अचानक मानसिक रूप से कमजोर युवती उग्र हो गई और हाथ-पांव पर बंधी रस्सी खोल ली। आंगन में पड़ा खूँटा उठाया और चारपाई पर सो रहे अपने भाई अर्जुन पर हमला बोल दिया। चीख-पुकार सुनकर घर के आंगन में बर्तन धो रही मुन्नी बेटे को बचाने के लिए आई तो युवती ने उन पर भी हमला कर दिया। परिजन घर आए तो पुलिस को दी गई सूचना- मां-बेटे बुरी तरह घायल होकर आंगन में ही गिर गए। कुछ ही देर में दोनों की मौत हो गई। वारदात की जानकारी पाकर परिवार के लोग भी खेत से घर आ गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। कांठ थाने की

पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम भी बुला ली गई। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि युवती मानसिक रूप से कमजोर है। परिवार के लोगों ने बताया कि उसका इलाज भी चल रहा था। जिले में हर पांचवें दिन हुआ कत्ल... लालच, धोखा, शक वजह-मुरादाबाद जिले में हर पांचवें दिन एक कत्ल किया जा रहा है। पिछले 112 दिन में 19 लोगों की मौत की नोंद सुला दिया गया। लालच, धोखा, शक और रंजिश इन हत्याओं की मुख्य वजह रही हैं। कहीं लालच में बेटे ने मां की हत्या कर दी तो कहीं भाई ही भाई का दुश्मन बन गया। कुछ मामले तो ऐसी भी सामने आए हैं जिसमें मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। प्रेम संबंधों का पता चलने पर भाइयों ने अपनी बहन और उसके प्रेमी की बेरहमी से हत्या कर दी। संपत्ति विवाद के चलते

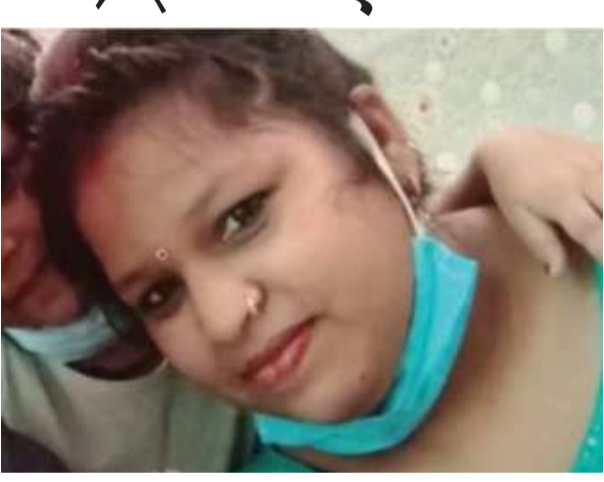
एक जज के पिता को उनके ही साले ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। एक अन्य दुखद घटना में पति ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। यूट्यूबर ने अपनी बहन की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इन सभी वारदातों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने इन 19 हत्याओं को सुलझा लिया है। दो मामले ऐसे हैं जिनमें नामजद सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए हैं। सोमवार की रात सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक में पति पत्नी की चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी थी तो बुधवार को कांठ क्षेत्र में एक युवती ने अपने मां और भाई भी हत्या कर दी। केस-एक जमीन बेचने के विरोध में मां की हत्या-पाकबड़ा के उमरी सञ्जीपुर गांव में दो जनवरी 2026 की दोपहर कपिल सैनी ने अपनी सावित्री देवी की गला घोटकर हत्या कर दी थी। कपिल जमीन बेचना चाहता था लेकिन मां इसका विरोध कर रही थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया था। केस दो-पाकबड़ा क्षेत्र के गांव में युवती और उसके प्रेमी अरमान की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने दावा था कि इस वारदात को काजल के तीन भाइयों ने अंजाम दिया था। 18 जनवरी की रात अरमान काजल से मिलने उसके घर पहुंच गया था। भाइयों ने दोनों को बातचीत करते हुए पकड़ लिया था। हत्या करने के बाद तीनों की लाशें

गांगन नदी किनारे दबा दी गई थीं। केस तीन-मझोला के बुद्धि विहार में 6 मार्च 2026 को हार्दिक ने अपनी जुड़वा बहन हिमसिखा की चाकू से 80 से ज्यादा बार कर हत्या कर दी थी। हार्दिक का किसी युवती से ऑनलाइन प्रेम संबंध चल रहा था लेकिन ब्रेकअप हो गया था। उसे लगता था कि उसकी मां और बहन इस रिश्ते के खिलाफ थे और उसी के कारण उसका ब्रेकअप हुआ है। हार्दिक ने अपनी मां पर चाकू से छह हमले किए थे। केस चार-संपत्ति के विवाद में बहनोई की हत्या-मुरादाबाद। नागफनी थाना क्षेत्र के बंगला गांव चौराहे पर 27 फरवरी की शाम बेकरी की संचालक मो. असद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड को उनके साले मो. जफर ने अंजाम दिया था। इस मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं लेकिन अब तक मुख्य आरोपी पुलिस के हाथ नहीं आया है। केस पांच-भाई भतीजों ने किसान को मार डाला-मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में संपत्ति विवाद में 13 अप्रैल 2026 की शाम विजय नाम के व्यक्ति ने अपने बेटों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर अपने सगे भाई और किसान सुरेश (55) की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। सुरेश की पत्नी और सास पर भी घायल किया गया था। पुलिस विजय समेत चार आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। इस मामले में 11 आरोपी हैं पुलिस अब तक अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

# जिम मत जाया करो, लेकिन वो मानती नहीं थी, नाराज कारोबारी ने पत्नी का किया कत्ल; इसलिए बेड पर डाल दी लाश

यूपी के मुरादाबाद में जिम जाने से नाराज कारोबारी ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सुबह से शाम तक घर में शव बेड पर पड़ा रहा। शाम को पुलिस को सूचना दी। पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने कहानी सुनाई। लेकिन सख्ती से पूछताछ में आरोपी टूट गया। मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके में डबल फाटक के पास बुधवार को जिम जाने से नाराज स्क्रेप व्यापारी शोभित गुप्ता ने अपनी पत्नी पूनम गुप्ता (35) की शटर खोलने वाले हैंडल से सिर पर हमला कर हत्या कर दी। इस वारदात को सुबह दस बजे अंजाम दिया। उसने हत्या की वारदात को हादसा दर्शाने की भी कोशिश

की। पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी कि उसकी पत्नी गिरकर घायल हो गई है। बहुत खून बह रहा है, लेकिन हालात देखकर पुलिस को शक हुआ और कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने हत्या करना कबूल लिया। उसका कहना था कि वह पत्नी से रोज कहता था कि जिम मत जाया करो लेकिन वह मानती नहीं थी। पुलिस के मुताबिक, कटघर क्षेत्र में डबल फाटक के पास टावर वाली गली निवासी शोभित गुप्ता की शादी दस साल पहले रामपुर जिले के बेलदारान निवासी पूनम गुप्ता के साथ हुई थी। दंपती की एक बेटा आराध्या भी है। शोभित की डबल फाटक पर स्क्रेप की



दुकान है। बताया जा रहा है कि पूनम गुप्ता एक्सरसाइज करने के लिए जिम जाती थीं। शोभित इसका विरोध करता था। इसी बात को लेकर शोभित और पूनम के बीच अक्सर विवाद होता था। बुधवार की भी पूनम जिम

गई थीं। सुबह करीब दस बजे पूनम जिम से घर लौटतीं तो पति से फिर विवाद हुआ। उस वक्त उनकी बेटा स्कूल जा चुकी थी। विवाद के बीच गुप्ताए शोभित ने घर में रखे दुकान का शटर खोलने वाला हैंडल पत्नी के

सिर पर मारकर हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी के शव को बेड पर रख दिया। शाम करीब छह बजे आरोपी ने एंबुलेंस को और 112 नंबर पर पुलिस को फोन कर पत्नी के गिरकर घायल होने की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला का शव बेड पर पड़ा था। इसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया। सख्ती से की गई पूछताछ में उसने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार कर ली। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मायके वालों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। बेड पर पड़ा रहा शव, बचने की साजिश

रचता रहा शोभित-शोभित ने अपनी पत्नी पूनम की हत्या को हादसा दिखाने और खुद को बचाने के लिए साजिश रची। दोपहर में स्कूल से आई बेटा ने अपनी मां के बारे में पूछताछ की तो शोभित ने उसे बताया कि वह बाहर गई है। शाम तक वापस आ जाएगी। इसके बाद आरोपी ने बेटा को खाना खिलाया और दूसरे कमरे में सुला दिया। शाम को आरोपी ने पुलिस और एंबुलेंस को कॉल की। उसने बताया कि घर में काम करते समय उसकी पत्नी गिरकर घायल हो गई है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो महिला के सिर में चोट थी और उसकी मौत भी हो चुकी थी।

# होर्मुज में तनाव से महंगा हुआ विदेशों तक कंटेनर पहुंचाना, पीतलनगरी के निर्यातकों की चिंता फिर बढ़ी

पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज से सीधा आवाजाही बाधित होने से मुरादाबाद के निर्यातक संकट में हैं। जहाजों के लंबा रास्ता लेने से डिडिलीवरी समय 8-10 दिन से बढ़कर 25 दिन हो गया है। इससे प्रति कंटेनर करीब 1.40 लाख रुपये किराया बढ़ गया। पश्चिम एशिया पूरी तरह शांत होने और होर्मुज से सहज आवाजाही के रास्ते बनने से पीतलनगरी के उद्यमियों की चिंता फिर बढ़ गई। निर्यात और आयात में इस्तेमाल होने वाले जहाजों के घूमकर जाने से समय कंटेनर (40 फीट) के किराये में 1.40 लाख रुपये की बढ़ोतरी हो गई। कीमत बढ़ जा रही है, जबकि खरीदार पूर्व की डील के समय की दरों पर से माल की आवाजाही में दो तरफा मार पड़ रही है। अमेरिका और यूरोप जाने से 25 दिन लग रहे हैं। रास्ता बदलने के कारण यूरोप का किराया 1500 के निर्यातकों को प्रति कंटेनर 1.40 लाख रुपये अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। दि हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर अफ्रीका होते हुए यूरोप और अमेरिका जाने की वजह से खर्चा 50 प्रतिशत बढ़ गया है। यूरोप तक का किराया 3500 डॉलर प्रति कंटेनर (40 फीट) था। अब 4500 डॉलर प्रति कंटेनर हो गया है। वहीं, अमेरिका के लिए किराया प्रति कंटेनर (40 फीट) बढ़कर छह हजार डॉलर हो गया है। वह बताते हैं कि जिले के बड़े निर्यातक हर महीने सीआईएफ (कांस्ट, इंड्योरेंस एंड फ्रेट) की नीति से आठ से 10 कंटेनर यूरोप व अमेरिका भेजते हैं। बढ़े हुए खर्च के हिसाब से एक-एक निर्यातक को 10 से 14 लाख रुपये प्रति माह का अधिक भार उठाना पड़ेगा। एमएचईए के अध्यक्ष नावेद उर रहमान ने भी यही बात दोहराई। कहा कि शिपमेंट के खर्च और समय की अधिकता निर्यातक वर्ग की बड़ी चिंता है। ताजे हालात से जल्द उबरने के संकेत भी नहीं हैं। जहाज दक्षिण अफ्रीका होते हुए यूरोप जा रहे हैं। इसकी वजह से अब हर कंटेनर पर 1.40 लाख रुपये अधिक किराया देना पड़ रहा है। होर्मुज में तनाव की वजह से समस्या अधिक बढ़ गई है। मैं हर महीने करीब 10 कंटेनर सीआईएफ के जरिए भेजता हूँ। - सतपाल, निर्यातक होर्मुज में तनाव की वजह से यूरोप उत्पाद भेजने के लिए कम से कम 12 दिन अधिक समय लगना तय है। प्रति कंटेनर यूरोप के लिए 1500 डॉलर अधिक किराया हो गया। काम और नए आर्डर के बीच निर्यात के खर्च में यह बढ़ोतरी काफी है। - सुरेश कुमार गुप्ता, निर्यातक होर्मुज में तनाव ने सभी निर्यातकों के लिए परेशानी बढ़ा दी है। जिनका माल एफओबी के जरिए जाएगा, उनके माल के पहुंचने में समय अधिक लगेगा। जिनका सीआईएफ के जरिए जाएगा वहां किराया भी अधिक देना पड़ेगा। - विशाल अग्रवाल, निर्यातक



हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

**दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच**

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करे-9027776991

**क्यूँ न लिखूँ सच**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0ए0प्रिंटेड, ए-11, असासलपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा  
मो. 9027776991  
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

च्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## इंटरमीडिएट में दर्शिका शर्मा बनीं जनपद टॉपर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / अमरिया। पुरु नानक इंटर कॉलेज, मुरलिया भैंसा की छात्रा दर्शिका शर्मा ने इंटरमीडिएट (कृषि वर्ग) में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता से विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। दर्शिका आगे चलकर कृषि अधिकारी बनना चाहती हैं। उनके पिता परमात्मा स्वरूप शिक्षक हैं तथा माता मालती गृहिणी हैं। उनके भाई अंश शर्मा ने भी हाईस्कूल परीक्षा में 89.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।



दर्शिका इससे पहले हाईस्कूल परीक्षा में भी जनपद की टॉप-टेन सूची में पांचवें स्थान पर

रह चुकी हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता को दिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह सफलता सेल्फ स्टडी और कोचिंग के माध्यम से हासिल की और वह प्रतिदिन 12 से 13 घंटे पढ़ाई करती थीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सतनाम सिंह ने दर्शिका को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

## जिला सैनिक बन्धु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशानुसार जिला सैनिक बन्धु की बैठक बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे ने की। बैठक में 18 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया और अपनी-अपनी समस्याएं अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। सभी प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फोन कर आवश्यक निर्देश दिए गए।



तत्काल समाधान कराया गया। शेष प्रार्थना पत्रों में एक पुलिस विभाग, पांच तहसील, एक शस्त्र, पांच राजस्व एवं 14 अन्य विभागों से संबंधित मामलों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए 15 दिन के भीतर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि निर्धारित समय में रिपोर्ट प्राप्त न होने पर इसकी सूचना अपर जिलाधिकारी को दी जाएगी। बैठक के दौरान प्राप्त 30 नए प्रार्थना पत्रों में से 9 का

लीड बैंक मैनेजर, हवलदार अजय कुमार (जाट रेजीमेंट, बरेली), जिला पूर्ति अधिकारी एवं सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर सतीश कुमार (अ.प्रा.) द्वारा किया गया। एडीएम सौरभ दुबे ने सभी भूतपूर्व सैनिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

## गैस की किल्लत ने निकाला धुआं एजेंसियों ने खड़े किए हाथ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शान्तियों के सीजन में गैस सिलेंडर को लेकर हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। उपभोक्ताओं को दर-दर भटकना पड़ रहा है। गैस एजेंसी संचालकों की मांनें तो स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है और स्टॉक पूरी तरह खत्म होने के कगार पर है। रसूखदारों, सफेदपोश नेताओं और रसूखदार अधिकारियों की सिफारिशों काॉल आने के बावजूद एजेंसी संचालक सिलेंडर देने में असमर्थता जता रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार का कहना है कि जिले में डेढ़ लाख से अधिक उपभोक्ताओं को नियमित सप्लाई भेजी जा रही है। युद्ध से पहले प्रतिदिन 23 से 25 हजार सिलिंडर प्रतिदिन

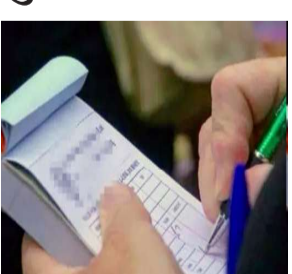


डिलीवर होते थे, आज भी संख्या इतनी है लेकिन, हकीकत यह है कि एजेंसी के गेट पर स्टॉक खत्म की जानकारी देकर लौटाया जा रहा है। यही नहीं, विभाग ने अपनी नाकामी को छिपाने के लिए शादियों के सीजन को कवच बना लिया है। डीएसओ का तर्क है कि सहालग में मांग बढ़ने से 29 अप्रैल तक यह किल्लत बनी रहेगी। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि युद्ध के चलते हालात विकराल होने वाले हैं। एजेंसियों के गोदामों में स्टॉक खत्म होने के कगार पर पहुंच गया। कई एजेंसियों के गोदाम पर छोटे कामर्शियल सिलेंडर तक नहीं हैं। गैस की किल्लत के बीच सहालग में एक शादी के लिए पांच कामर्शियल सिलेंडर दिए जाएंगे। प्रत्येक सिलेंडर पर 4,654 रुपये देने होंगे। इसमें से 2400 रुपये प्रति सिलेंडर सिक्वोरिटी होगी। सिलेंडर लौटाने पर यह राशि वापस कर दी जाएगी। ऐसे में प्रति सिलेंडर वास्तविक शुल्क 2,254 रुपये होगा। डीएसओ का कहना है कि शादी के लिए सिलेंडर प्राप्त करने के लिए जिला आपूर्ति विभाग के कार्यालय में आवेदन करना होगा। मेहमानों की संख्या और सिलेंडरों की जरूरत का विवरण देना होगा। जांच के बाद ही सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्य अभियंता ने बिलिंग कंपनी पर लगाया 1.73 लाख रुपये का जुर्माना, घर बैठे डालते थे रीडिंग

## मुख्य अभियंता ने बिलिंग कंपनी पर लगाया 1.73 लाख रुपये का जुर्माना, घर बैठे डालते थे रीडिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मोटर रीडिंग में गंभीर लापरवाही बरतने वाली बिलिंग कंपनी के विरुद्ध मुख्य अभियंता ने दंडात्मक कार्रवाई की है। बिलिंग एजेंसी द्वारा स्टोर रीडिंग (मौके पर जाए बिना मोटर रीडिंग दर्ज करना) का मामला सामने आया। इसके कारण उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे थे और विभाग की छवि धूमिल हो रही थी। मुख्य अभियंता ने चार मोटर रीडर के निष्कासन के साथ 173666 रुपये का जुर्माना लगाया। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने बताया कि



अधिसासी अभियंता कामर्शियल प्रथम वर्टिकल की जांच में पृष्ठि हुई कि अनुबंध शर्तों का उल्लंघन करते हुए बिलिंग एजेंसी वैध इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के मोटर रीडरों द्वारा बिना साइट विजिट के फर्जी रीडिंग दर्ज की गई। चार मोटर रीडर अजीत कुमार, दीपक उपाध्याय, नरेंद्र सिंह, इफ्तियार हुसैन खान के विरुद्ध

सेवा से निष्कासन की कार्रवाई की गई। वहीं सात उपभोक्ताओं के मामलों में विभाग ने बिलिंग कंपनी पर कुल 173666 की मिसलेनियस रिकवरी (जुर्माना) लगाने की संस्तुति भी की है। मुख्य अभियंता ने कहा कि मोटर रीडरों द्वारा मौके पर न जाकर गलत रीडिंग दर्ज करना, अनुबंध की शर्तों का पालन न करने के कारण यह कार्रवाई की गई है। उपभोक्ताओं को सही बिल मुहैया कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह की रैंडम जांच आगे भी जारी रहेगी।

## नेतृत्व का दम, विकास का कमाल - डीएम अविनाश सिंह के एक साल ने बदल दी बरेली की चाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद बरेली में जिलाधिकारी अविनाश सिंह के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर पूरे प्रशासनिक अमले में उत्साह का माहौल देखने को मिला और उनके नेतृत्व में हुए कार्यों की जमकर सराहना की गई। बीते एक वर्ष में जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व ने जनपद को नई दिशा दी है। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतरीन समन्वय स्थापित किया गया, जिससे पूरे

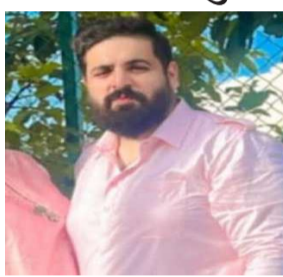


जिले में शांति और सुरक्षा का वातावरण बना रहा। जनसुनवाई प्रणाली को मजबूत कर आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया गया। यही वजह है कि आमजन में प्रशासन के प्रति भरोसा और संतुष्टि बढ़ी है। साथ ही सीएम डेशबोर्ड पर भी बरेली का प्रदर्शन लगातार बेहतर बना हुआ है।

विकास योजनाओं की बात करें तो मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, नाथ कॉरिडोर, मंदिरों का सुदृढ़ीकरण, फोकस वॉल, फैमिली आईडी, पीएम सूर्य घर योजना और फार्मर रजिस्ट्री जैसी योजनाओं में जनपद ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इस मौके पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धियां पूरी टीम की मेहनत और जनपदवासियों के सहयोग का परिणाम हैं। उन्होंने आगे भी इसी जोश और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

## मौलाना तौकीर के मददगार का पर्दाफाश: उपद्रव में असलहा सप्लाई लेने वाला मुदस्सिर मिर्जा गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौलाना तौकीर रजा के इशारे पर 26 सितंबर को शहर में हुए खूनी उपद्रव की परतें अब खुलती जा रही हैं। पुलिस पर फायरिंग में इस्तेमाल असलहों की सप्लाई चैन का एक और मददगार शिकंजे में आ गया है। बारादरी थाना क्षेत्र के आशीष रायल पार्क निवासी मुदस्सिर मिर्जा उर्फ गोल्डू को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पृष्ठताछ में उसने कबूल किया कि झुमका तिराहे से असलहों की खेप पार्श्व अनीस सकलैनी के साथ मिलकर उठाई थी। अनीस सकलैनी पहले से जेल में बंद है। 26 सितंबर को मौलाना तौकीर रजा ने कानपुर के 'आई लव मुहम्मद' प्रकरण की आड़ लेकर बरेली को दंगों की आग



में झोंक दिया था। उपद्रवियों ने पुलिस पर एसिड, पेट्रोल बम और ताबड़तोड़ फायरिंग की। कई पुलिसकर्मी लहलुहान हुए, दर्जनों दुकानें तहस-नहस कर दी गईं। शहर के पांच थानों में 10 मुकदमे दर्ज हुए। मौलाना तौकीर समेत 94 आरोपियों को जेल भेजा गया था। जांच में खुलासा हुआ कि दंगे में इस्तेमाल असलहे मौलाना के करीबी फरहत के सगे भाई इशरत अली ने सप्लाई किए थे। इशरत पूरा नेटवर्क चलाता है। 19 फरवरी को पुलिस ने सोमू खान

और तस्लीम को कार में भारी मात्रा में असलहों के साथ पकड़ था। ये खेप उत्तराखंड जा रही थी। पृष्ठताछ में दोनों ने बताया कि झुमका तिराहे पर बाइक से दो लोग आए थे। वीडियो कॉल पर इशरत से बात कराकर पहचान कन्फर्म हुई थी, तब असलहे दिए गए। सोमू-तस्लीम को नहीं पता था कि लेने वाले कौन हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो साफ हो गया कि झुमका तिराहे से खेप लेने वाले पार्श्व अनीस सकलैनी और मुदस्सिर मिर्जा उर्फ गोल्डू थे। बारादरी पुलिस ने मुदस्सिर को दबोच लिया। उसने माना कि 26 सितंबर को पुलिस पर जो फायरिंग हुई, वह उन्हीं असलहों से हुई थी। इशरत ने बाद में दूसरे केस में कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

## बरेली जंक्शन पर चलती ट्रेन से यात्री को दिया धक्का, टीटी पर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। चलती ट्रेन से एक यात्री को धक्का देने का मामला सामने आया है। घायल यात्री ने चेकिंग के दौरान टीटी पर ट्रेन से धक्का देने का आरोप लगाया है। घायल यात्री की हालत नाजुक बनी हुई है, जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। शाहजहांपुर जिले के थाना रोजा क्षेत्र के गांव हथोड़ा बुजुर्ग निवासी 35 वर्षीय शैलेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शैलेश ने आरोप लगाया कि बुधवार को वह अवध असम एक्सप्रेस से शाहजहांपुर से बरेली कमिश्नरी कोर्ट में तारीख लेने आ रहे थे।



इसी दौरान कैंट थाना क्षेत्र में टिकट चेकिंग के दौरान टीटी संतोष कुमार ने उन्हें पकड़ लिया और 3500 जुर्माने की मांग की। शैलेश के मुताबिक, जब उन्होंने जुर्माना कम करने की बात कही तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी दौरान टीटी ने गुस्से में आकर उन्हें चलती ट्रेन से बरेली जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर धक्का दे दिया। पैर में फ्रैक्चर, शरीर में कई जगह गंभीर चोटें चलती ट्रेन से

गिरने के कारण शैलेश के पैर में फ्रैक्चर हो गया। कमर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद प्लेटफॉर्म पर काफी भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल की पत्नी पूनम ने अस्पताल पहुंचकर रोते हुए कहा कि अगर उनके पति के पास टिकट नहीं था तो वे जुर्माना भरने को तैयार थे, लेकिन इस तरह धक्का देना जानलेवा साबित हो सकता था। बताया कि शैलेश जन सेवा केंद्र चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में सिर्फ पति-पत्नी ही हैं।

## जननायक एक्सप्रेस में 70 बच्चों की तस्करी की सूचना से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 18001027222 पर सूचना मिलने के बाद उस समय हड़कंप मच गया, जब बताया गया कि जननायक एक्सप्रेस, जो दरभंगा से अमृतसर जा रही थी, उसमें लगभग 70 बच्चों को कथित रूप से तस्करी कर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही नई दिल्ली से जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन की टीम ने बदायूं स्थित संचालित संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान की टीम ने मिलकर जननायक एक्सप्रेस में



तत्पश्चात संस्था की टीम ने तत्काल एक्शन लेते हुए बरेली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर संबंधित विभागों के साथ संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान स्टेशन मास्टर, आरपीएफ थाना प्रभारी, जीआरपी थाना प्रभारी, एचटीयू, चाइल्ड लाइन टीम एवं काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान की टीम ने मिलकर जननायक एक्सप्रेस में

सघन चेकिंग अभियान चलाया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कई संदिग्ध बच्चों को चिन्हित कर आरपीएफ एवं एचटीयू प्रभारी द्वारा पृष्ठताछ की गई। जांच के दौरान बच्चों के साथ मौजूद अभिभावकों से उनके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें सभी बच्चे अपने ही माता-पिता व अभिभावकों के साथ पाए गए। पूरे अभियान के दौरान सभी संबंधित विभागों का स्टाफ और अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। गहन जांच के बाद स्थिति सामान्य पाई गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार जनपद के चयनित 06 परीक्षा केंद्रों पर होगी 30प्र0 होमगार्ड्स एनरोलमेंट लिखित परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 30प्र0 होमगार्ड्स लिखित एनरोलमेंट-2025 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखी। पीलीभीत सूचना विभाग 23 अप्रैल 2026/जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने 30प्र0 होमगार्ड्स लिखित एनरोलमेंट-2025 परीक्षा को सक्षुशल व निर्विघ्न ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत आज इमण्ड राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इण्टर कालेज, एस0एन0इंटर कालेज, उपाधि महाविद्यालय व राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज के परीक्षा केन्द्र रूमों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 30प्र0 होमगार्ड्स लिखित एनरोलमेंट-2025 परीक्षा दिनांक 25,26 व 27 अप्रैल 2026 को आयोजित की जायेगी। 30प्र0 होमगार्ड्स लिखित एनरोलमेंट-2025 परीक्षा हेतु जनपद में 06 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जायेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर विद्युत व्यवस्था, पेयजल, पंखा, शौचालय, सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि जो भी कमियां हो उन्हें समय से ठीक करा लिया जाय ताकि परीक्षा बेहतर ढंग से कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान सीओ सिटी सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उर्स ताजुशरिया व होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन लागू 24 से 27 अप्रैल तक भारी वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 24 और 25 अप्रैल को आयोजित ताजुशरिया और 25 से 27 अप्रैल तक होने इनरोलमेंट हुए यातायात ट्रैफिक की है। इन में बड़ी संख्या परीक्षार्थियों के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक डायवर्जन योजना लागू की गई है। जारी एडवाइजरी के अनुसार, 24 और 25 अप्रैल को शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों और रोडवेज बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। झुमका तिराहा, मिनी बाईपास और मथुरापुर की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी। रामपुर, मुरादाबाद, नैनीताल, पीलीभीत और बदायूं से आने वाले भारी वाहनों के लिए बरेली बाईपास, विलवा, फरीदपुर और इन्वर्टिस तिराहा जैसे वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। रोडवेज बसों का संचालन भी इन दिनों पुराने बस स्टैंड की बजाय सैटेलाइट बस स्टैंड से किया जाएगा। वहीं, शहर के अंदर चार पहिया वाहन, ई-रिक्शा और ऑटो के लिए भी कई क्षेत्रों में अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए हैं। एस पी ट्रेफिक अकमल खां ने आम जनता से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें और अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।



तीन किसानों को मिले 74 लाख, इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए जमीन खरीद शुरू क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दिल्ली हाईवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक टाउनशिप अब हकीकत का रूप लेने लगी है। बरेली प्राधिकरण (बीडीए) ने किसानों को भूमि खरीद औपचारिक दी। पहले दिन ग्राम रहपुरा जागीर के तीन किसानों-धर्मपाल, प्रेमराज और गंगा प्रसाद-को कुल 74 लाख रुपये के चेक सौंपे गए। प्राधिकरण द्वारा सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है, जिससे किसानों में संतोष का माहौल देखा गया। बीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. मनिंकडन ए. के अनुसार, यह परियोजना बरेली ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाएगी। इसके तहत तहसील बरेली के ग्राम रसूला चौधरी तथा तहसील मीरगंज के भितौरा नौगंवा, चिटौली और रहपुरा जागीर की कुल 126.3043 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। प्राधिकरण का लक्ष्य इस भूमि पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त औद्योगिक टाउनशिप विकसित करना है, जिसमें बिजली, पानी, चौड़ी सड़कें और बेहतर जल निकासी व्यवस्था शामिल होंगी।



संक्षिप्त समाचार

सिरसौद पुलिस की बड़ी सफलता, 6 घंटे में अपहृत नाबालिग बालिका सुरक्षित बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। जिले के थाना सिरसौद पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को महज 6 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 1 अप्रैल 2026 से चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा अपहृत नाबालिगों की शीघ्र बरामदगी के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल को ग्राम ठहसुहारा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट थाना सिरसौद में दर्ज कराई। इस पर अपराध क्रमांक 123/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मुकेश दुबौलिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए रिपोर्ट दर्ज होने के मात्र 6 घंटे के भीतर ही बालिका को शिवपुरी बस स्टैंड से सुरक्षित बरामद कर लिया। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक जगदीश भिलाला, महिला प्रधान आरक्षक रचना शाक्य, प्रधान आरक्षक बलवंत पाल एवं आरक्षक मनोज की सराहनीय भूमिका रही।



उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी पर सख्ती, 2 लाइसेंस निरस्त, 12 निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। जिले में खरीफ सीजन के दौरान उर्वरक विक्रय में अनियमितताओं पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त और 12 के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 अप्रैल 2026 से उर्वरक विक्रय के लिए ई-विकास प्रणाली को अनिवार्य किया गया है। इसके तहत सभी विक्रेताओं को ऑनलाइन माध्यम से ही उर्वरक बेचना होगा। उप संचालक कृषि पान सिंह कारोरिया द्वारा की गई जांच में ई-विकास प्रणाली का पालन न करने वाले 8 निजी उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित तथा 2 के लाइसेंस निरस्त किए गए। इसके अलावा 4 सहकारी समितियों के लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन उर्वरक विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार नियमों का उल्लंघन करने पर न केवल लाइसेंस निरस्त किया जाएगा, बल्कि संबंधित विक्रेता के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को खरीफ सीजन में उर्वरक वितरण व्यवस्था को परदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए  
9027776991  
knlslive@gmail.com

विकास योजनाएं जमीन पर दिखें, नल-जल योजनाएं बंद न हों—संभागायुक्त के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। ग्वालियर संभागायुक्त मनोज खत्री की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के बिंदुओं की समीक्षा बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा, जिला पंचायत सीईओ विजय राज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त खत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास योजनाएं केवल कागजों या निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ आम जनता को धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नल-जल योजनाएं बिजली बिल के कारण बंद नहीं रहनी चाहिए और इसके लिए संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक में एलपीजी वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जितनी बुकिंग हो, उतना ही सिलेंडर वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतों का समय पर निराकरण हो। कृषि विभाग को किसानों को समय पर खाद-बीज



उपलब्ध कराने, नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने और फर्टिलाइजर डीलरों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने नरवाई जलाने की घटनाएं रोकने, पीएम आवास योजना की प्रगति सुधारने तथा ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। हैंडपंप मरम्मत के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाने और सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश भी

दिए गए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में कक्षा 1 से 8 तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण में लापरवाही पर नाराजगी जताई गई। साथ ही विद्यालयों में बालिकाओं के शौचालयों का भौतिक सत्यापन कर 15 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में उद्योग, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, मंडियों के निरीक्षण और पंचायतों में नए राजस्व स्रोत विकसित करने जैसे मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

25 अप्रैल तक कलमबंद हड़ताल पर मनरेगा कर्मचारी, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन होगा उग्र

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जनपद के अमरिया विकासखंड मुख्यालय पर बुधवार को मनरेगा कर्मचारियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। ग्राम रोजगार सेवक (मनरेगा कर्मचारी) संघ, उत्तर प्रदेश के बैनर तले कर्मचारियों ने अपनी लिंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए 16 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक सांकेतिक कलमबंद हड़ताल का ऐलान किया है। कर्मचारियों ने खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से बकाया मानदेय के भुगतान में हो रही देरी, ईपीएफ खातों में नियमित अंशदान न होने और लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग उठाई गई। कर्मचारियों का कहना है कि 04 अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा किए गए वादे अब तक धरातल पर नहीं उतरे हैं, जिससे नाराजगी बढ़ती जा रही है। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आगामी रणनीति के तहत 26 व 27 अप्रैल को पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा, 28 से 30 अप्रैल तक जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा और 1 मई (मजदूर दिवस) को जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों ने प्रशासन से अपील की है कि हड़ताल के दौरान किसी भी कर्मचारी पर कार्य का दबाव न बनाया जाए। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष आदेश कुमार, अमनदीप सिंह, प्रभुदयाल, निजाकत अली, अफरोज समेत बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे



जोहद मेन सड़क अशोकनगर विदिशा राज्य मार्ग पर किसानों ने किया चक्का जाम



क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ गेहूं तुलाई को लेकर शमशाबाद क्षेत्र के ग्राम जोहद में किसानों के द्वारा चक्का जाम किया गया किसानों का कहना है, अभी तक गेहूं तुलाई हो जाना थी मगर अभी सिलाइट नहीं बुक नहीं हो रही जिससे किसान विशेष चिंतित है। एवं उग्र आंदोलन के लिए तैयार हो

रहा है चक्का जाम के लिए खुलवाने के लिए नटेरन थाना प्रभारी नटेरन तहसीलदार आनंद जैन नायब तहसीलदार पीयूष जैन के द्वारा किसानों को समझाएं ईस दी गई मगर किसान नहीं माने इसके उपरांत एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल स्थल चक्का जाम हो रहा था वहां पहुंचे और किसानों को समझाइश दी

गई एवं दो दिन में सिलाइट बुक होने लगे इसके उपरांत चक्का जाम खुलवाया गया। मगर किसानों के द्वारा चेतावनी दी गई है दो दिन में तुलाई कार्य प्रगति पर नहीं हुआ तो किसान उग्र आंदोलन में न सड़क पर करेंगे नयागोला क्षेत्र के आसपास के सभी किसान चक्का जाम में उपस्थित थे।

करौटी नर्सरी में भीषण अग्निकांड: हजारों पौधे जलकर खाक, लाखों की वन संपदा नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर - जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के करौटी स्थित पौधा प्लांट (वन नर्सरी) में अचानक भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन इस घटना में हजारों छोटे-बड़े पौधे जलकर पूरी तरह खाक हो गए। बताया जा रहा है कि यह पौधा प्लांट वन विभाग द्वारा लाखों रुपये की लागत से तैयार कराया गया था, जहां आगामी पौधारोपण के लिए बड़ी संख्या में पौधे तैयार किए जा रहे थे। आग लगते ही देखते ही देखते पूरे प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही समय में तैयार पौध सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई। यह पौधा प्लांट खैरा-चोगा-कोल्हुआ मुख्य मार्ग पर स्थित है, जहां बड़े पैमाने पर पौधारोपण (प्लांटेशन) किया गया था। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा और सूखी घास के कारण आग तेजी से फैलती गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशकत के बाद आग पर



काबू पाया गया। हालांकि तब तक लाखों रुपये की वन संपदा जलकर नष्ट हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि तेज गर्मी, सूखी वनस्पति या मानवीय लापरवाही इसकी वजह हो सकती है। हरित अभियान को बड़ा झटका- इस घटना से क्षेत्र में चल रहे पौधारोपण अभियान को गंभीर नुकसान पहुंचा है। जिन पौधों को आगामी मानसून में रोपित किया जाना था, वे अब पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। जांच की

मांग- घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन के लिए चेतावनी- लगातार बढ़ती गर्मी के बीच इस तरह की घटनाएं वन सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते प्रभावी अग्नि-नियंत्रण और निगरानी तंत्र मजबूत नहीं किया गया, तो भविष्य में और भी बड़े नुकसान हो सकते हैं

अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई 340 पाव गोवा विदेशी मदिरा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा-विदिशा जिले में अवैध मदिरा के धारण, परिवहन, निर्माण एवं विक्रय की रोकथाम हेतु प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा जिला आबकारी अधिकारी श्री शरद पाठक के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वार्ड नंबर 07, राजपूत कॉलोनी विदिशा में छापामार कार्यवाही की। कार्रवाई के दौरान राजा कुशवाहा पुत्र श्री हर प्रसाद कुशवाहा (उम्र 33 वर्ष) ने, निवासी राजपूत कॉलोनी के रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी में



मकान से कागज के 7 कार्टूनों में भरी गोवा विदेशी मदिरा की कुल 340 पाव बोतलें बरामद की गईं, जिनकी कुल मात्रा 61.2 बल्क लीटर (उम्) पाई गई। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। इसके उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे

जेल भेज दिया गया। जब्त की गई मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 45,900 रुपये आंका गया है। इस संपूर्ण कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्री संजय इवने के नेतृत्व में आरक्षक शिवलाल चिद्वार, पवन गौर, राहुल राठौर, प्रमोद धुवें, आशीष कौरव एवं प्रीति परिहार द्वारा संपादित की गई है।

माता बिजासन देवी के मंदिर की पानी की टंकी एवं अन्य जगहों पर भूमाफियाओं का कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा-विदिशा जिले के त्योंदा तहसील क्षेत्र में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। स्थानीय मंदिर समिति एवं ग्रामीणों ने इस संबंध में तहसीलदार को लिखित आवेदन सौंपते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि ग्राम क्षेत्र में स्थित शासकीय भूमि, जो लंबे समय से मंदिर एवं सार्वजनिक उपयोग में आती रही है, उस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि धीरे-धीरे अतिक्रमण बढ़ता



जा रहा है, जिससे भविष्य में बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार मौखिक रूप से निर्माण कार्य रोकने की कोशिश की गई, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद मजबूर होकर

प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई। मंदिर समिति ने यह भी आरोप लगाया है कि भूमाफियाओं द्वारा पानी की टंकी और देवी-देवताओं से जुड़ी अन्य स्थानों पर भी कब्जा किया जा रहा है। साथ ही भैरव बाबा

प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई। मंदिर समिति ने यह भी आरोप लगाया है कि भूमाफियाओं द्वारा पानी की टंकी और देवी-देवताओं से जुड़ी अन्य स्थानों पर भी कब्जा किया जा रहा है। साथ ही भैरव बाबा

हटाया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस संबंध में तहसील कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि आवेदन प्राप्त हो चुका है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## फरुखाबाद में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, जमाखोरी रोकने के लिए सख्त नियम

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप/फरुखाबाद में सीएनजी के दामों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी गई है। अब सीएनजी 101.90 रुपये से बढ़कर 103.90 रुपये प्रति किलो हो गई है। हालांकि जिले में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की किल्लत नहीं है।



विगत सप्ताह जिला प्रशासन की ओर से ड्रमों में डीजल भरवाने की प्रवृत्ति के मद्देनजर प्रशासन ने अधिकतम दो हजार रुपये का डीजल ही ड्रम में एक बार में देने के निर्देश जारी किए थे। हालांकि इसके बाद इंटरनेट मीडिया पर डीजल की कमी को लेकर अफवाहें फैलने के बाद पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ने लगी थी, लेकिन दूसरे ही दिन स्थिति सामान्य हो गई। कुछ पेट्रोल पंपों पर तकनीकी कारणों और बकाया भुगतान के चलते आपूर्ति प्रभावित हुई थी। वह भी अब सामान्य हो गई है। वहीं सीएनजी के दाम जरूर दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गए हैं। पूर्व में 101.90 रुपये में मिल रही सीएनजी के दाम बढ़कर अब 103.90 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र यादव ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि जिले में करीब दस दिन का डीजल-पेट्रोल स्टॉक लगातार उपलब्ध है। केवल कुछ लोग ड्रम में अधिक मात्रा में डीजल भरवाकर जमाखोरी करने की कोशिश कर रहे थे, जिसे रोकने के लिए नया नियम लागू किया गया है। अब ड्रम में अधिकतम दो हजार रुपये तक का ही डीजल दिया जाएगा, ताकि स्थानीय वाहनों को किसी तरह की परेशानी न

हो। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है।

इधर, कानपुर देहात में पंपों पर डीजल-पेट्रोल न होने से वाहन सवार परेशान

सरवनखेड़ा क्षेत्र के पंपों में डीजल-पेट्रोल न मिलने से सभी परेशान हैं। श्रेश्वर व कंबाइन मशीनों नहीं चल पा रही हैं। ऐसे में फसलों की मड़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में किसानों को खेतों में तैयार खड़ी गेहूँ की फसल की कटाई व श्रेश्वरिंग के लिए डीजल की सख्त आवश्यकता है साथ ही अन्य वाहन स्वामी भी डीजल और पेट्रोल के लिए परेशान हैं।

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान कराने की बात कही है। सरवनखेड़ा कस्बा में भारत पेट्रोलियम कंपनी, इंडियन आयल कंपनी का फिलिंग सेंटर संचालित है। निवेदिता फिलिंग स्टेशन में डीजल-पेट्रोल नहीं है जबकि परिहार फिलिंग सेंटर में उपलब्ध होने से क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों को डीजल और पेट्रोल की आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाती थी। करीब तीन दिन परिहार फिलिंग सेंटर में भी डीजल और पेट्रोल खत्म होने से मिलना बंद हो गया है।

इसके अलावा बाइक, ट्रैक्टर के अलावा बस व ट्रक चालक इधर उधर भटकने को मजबूर हैं। वहीं कुछ लोग डीजल पेट्रोल लेने के लिए करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित पंपों से डीजल और पेट्रोल लाने को विवश हैं। नई समस्या से समय व धन की बर्बादी हो रही है। परिहार फिलिंग सेंटर के संचालक अजय सिंह परिहार ने बताया कि डीजल पेट्रोल डिपो से मंगाने के लिए आरटीजीएस के माध्यम से करीब पांच दिन पहले पैसा भेजा जा चुका है। पेट्रोलियम डिपो के अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है लेकिन अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाया है। उन्होंने अधिकारियों पर आजकल के आश्वासन में टरकाने का आरोप लगाया है। कस्बा के किसान सुनील सिंह, भोले सिंह, लोहारी गांव निवासी अमन सिंह, कुलदीप सिंह, भिखानापुर गांव निवासी राम सिंह परिहार, चेतन ने बताया कि जब अमेरिका, इजरायल व ईरान युद्ध चल रहा था तब डीजल पेट्रोल उपलब्ध हो रहा था लेकिन जब युद्ध बंद हो गया तो संकट आ गया जिसके चलते इधर उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से समस्या समाधान की मांग की है। सरवनखेड़ा कस्बा व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि किसानों, व्यापारियों के अलावा आम लोगों की समस्या का समाधान होना चाहिए। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मामले में अधिकारियों से बात कर पंपों पर डीजल व पेट्रोल उपलब्ध कराया जाएगा। यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

## पूर्व विदेश मंत्री के ट्रस्ट पर गिरेगी गाज! 25 एकड़ सरकारी जमीन का पट्टा होगा निरस्त।

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप/नवाबगंज-मोहम्मदाबाद मार्ग पर स्थित स्वास्थ्य विभाग की 25 एकड़ भूमि का पट्टा एक अप्रैल,1995 को धर्मांध चिकित्सालय संचालित करने के लिए जाकिर हुसैन ट्रस्ट को 30 वर्ष के लिए किया गया था। यह ट्रस्ट पूर्व विदेश मंत्री के साथ उनकी पत्नी पूर्व विधायक लुईस खुशींद व स्वजन अपने नाना पूर्व राष्ट्रपति डा. जाकिर हुसैन के नाम से संचालित करते हैं। विधायक सुशील शाक्य ने 19 फरवरी,2026 को विधानसभा में नियम 51 के अंतर्गत इस संबंध में सूचना मांगी थी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की ओर से विधायक को भेजे पत्र में कहा गया है कि सीएमओ ने 21 फरवरी को अवगत कराया है कि जिलाधिकारी फरुखाबाद ने 13 मई,2025 को अपर जिलाधिकारी, मुख्य कित्साधिकारी व एसडीएम कायमगंज की तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई



थी। समिति ने स्थलीय निरीक्षण कर 30 मई,2025 को जांच आख्या उपलब्ध कराई। इसके अनुसार, पट्टेदार द्वारा शर्तों का पालन नहीं किया गया। भूमि पर धर्मांध चिकित्सालय एक अप्रैल,2025 तक भी नहीं बनाया गया और इसका उपयोग निजी लाभ के लिए पाया गया। समिति ने पट्टा निरस्त कर पुनः लोकहित में जमीन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को दिए जाने की संस्तुति की है, जिसकी प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। वहीं, ट्रस्ट के संचालक मंडल में शामिल पूर्व विधायक लुईस खुशींद ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। पत्र देखने के बाद ही वह

कुछ बता सकेंगे। दिव्यांग उपकरण घोटाले में चर्चा में रहा ट्रस्ट = डा. जाकिर हुसैन ट्रस्ट का विवादों से पुराना नाता रहा है। पिछले दिनों दिव्यांग उपकरण वितरण घोटाले में जांच के बाद पुलिस ने पूर्व विदेश मंत्री की पूर्व विधायक पत्नी लुईस सहित अन्य के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की थी।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण बांटने के लिए ट्रस्ट को बजट दिया गया था। बाद में आरोप लगा कि ट्रस्ट ने उपकरण नहीं बांटे व कई जनपदों में घोटाला कर दिया। आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा लखनऊ के निरीक्षक रामशंकर यादव ने 10 जून,2017 को ट्रस्ट की परियोजना निदेशक पूर्व विधायक लुईस, सदस्य प्रत्यूष शुक्ला व अतहर फारूकी को आरोपित बनाया था। इस मामले की सुनवाई न्यायालय में विचाराधीन है।

रिमिशन नीति के तहत रिहाई की गुहार:

अधिवक्ता वाई.डी. मिश्रा और शिवांगी चतुर्वेदी की पैरवी ने खींचा ध्यान

क्यूं न लिखूं सच / जालौन (उत्तर प्रदेश)। अपने समय का बेहद चर्चित जैसारी डबल मर्डर केस एक बार फिर सुर्खियों में है। दशकों पुराने इस सनसनीखेज मामले में सजा बरकरार रहने के बावजूद अब सह-अभियुक्त की रिहाई को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका पर सुनवाई चल रही है, जिसे लेकर कानूनी और सामाजिक हलकों में खासा ध्यान केंद्रित हो गया है। यह मामला जालौन जनपद के थाना डकोर क्षेत्र के ग्राम जैसारी से जुड़ा है, जहां हुए दोहरे हत्याकांड ने उस दौर में पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। इस प्रकरण में हरगोविंद राजपूत को दोषी ठहराया गया था। सत्र न्यायालय ने वर्ष 1980 में उसे सजा सुनाई थी। इसके बाद वर्ष 2003 में उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। आगे चलकर वर्ष 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस फैसले पर अपनी मुहर

लगाते हुए सजा को यथावत रखा। मामले को उस समय और अधिक चर्चा तब मिली, जब अपील लंबित रहने के दौरान ही हरगोविंद राजपूत की हत्या हो गई। इसके बाद पूरा मामला लंबे समय तक शांत रहा, लेकिन अब सह-अभियुक्त रतन माली की रिहाई को लेकर दायर याचिका ने इसे फिर से चर्चा में ला दिया है। बताया जा रहा है कि रतन माली लंबे समय से आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उसकी ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता वाई. डी. मिश्रा एवं शिवांगी चतुर्वेदी ने अदालत के समक्ष प्रभावी पैरवी की। उन्होंने तर्क दिया

कि कैदी ने काफी लंबा समय जेल में बिताया है और वह राज्य सरकार की रिमिशन नीति के अंतर्गत रिहाई का पात्र है। अधिवक्ताओं ने न्यायालय से अनुरोध किया कि राज्य सरकार को इस मामले में समयबद्ध और निष्पक्ष निर्णय लेने के निर्देश दिए जाएं। वहीं, राज्य सरकार की ओर से मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए इसे एक जघन्य डबल मर्डर केस बताया गया और रिहाई के विषय में अत्यंत सावधानी बरतने की बात कही गई। इस प्रकरण में अधिवक्ता वाई. डी. मिश्रा एवं शिवांगी चतुर्वेदी की सशक्त और प्रभावशाली पैरवी कानूनी जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। अब सभी की निगाहें उच्च न्यायालय के अगले आदेश पर टिकी हैं, जो इस लंबे समय से चले आ रहे मामले में अहम मोड़ साबित हो सकता है।

कलेक्टर की तत्परता से आगजनी में त्वरित कार्रवाई, 12 घंटे में FIR और 3.51 लाख की राहत

क्यूं न लिखूं सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। करैरा तहसील के दिनारा क्षेत्र में हुई आगजनी की घटना के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज कर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की सतत मॉनिटरिंग में प्रशासन ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता दी। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश भी दिए गए। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व करैरा अनुराग निंगवाल के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि तहसीलदार ललित शर्मा ने प्रभावित परिवारों से मिलकर

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

यह फोटो ए आई द्वारा निर्मित है इसको वास्तविक घटनाओं से ना जोड़ा जाए

## संक्षिप्त समाचार

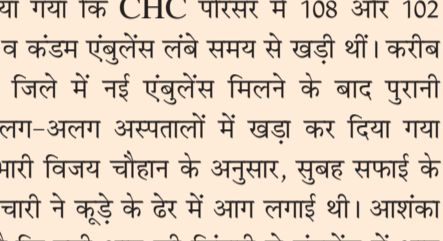
### फरुखाबाद के सरकारी अस्पताल में धूँ-धूँ कर जली एंबुलेंस, मची अफरा-तफरी!

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप/फरुखाबाद के कम्प्लि स थ त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) परिसर में गुरुवार दोपहर खड़ी एक कंडम एंबुलेंस में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। धुआं उठता देख आसपास मौजूद लोग एंबुलेंस की ओर दौड़े और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से विकराल होती चली गई। घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। करीब 20 मिनट में मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। बताया गया कि CHC परिसर में 108 और 102 सेवा की पुरानी व कंडम एंबुलेंस लंबे समय से खड़ी थीं। करीब 9 महीने पहले जिले में नई एंबुलेंस मिलने के बाद पुरानी गाड़ियों को अलग-अलग अस्पतालों में खड़ा कर दिया गया था। एंबुलेंस प्रभारी विजय चौहान के अनुसार, सुबह सफाई के दौरान एक कर्मचारी ने कूड़े के ढेर में आग लगाई थी। आशंका जताई जा रही है कि उसी आग की चिंगारी से एंबुलेंस में आग लगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।



शोरूम में आग से मची अफरा-तफरी, दमकल टीम के पहुंचने से पहले लोगों ने पाया काबू

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप/फरुखाबाद इटावा बरेली हाईवे पर स्थित माई कार शोरूम में लगी भीषण आग फायर ब्रिगेड टीम की गाड़ियां मौके पर लेट अभी तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचीं घटनास्थल पर दमकल टीम की एक गाड़ी पहुंचने के बाद पहुंची सुरक्षा बल की एक गाड़ी 112 मौके पर पहुंची 112 पहुंचने के बाद दमकल टीम की एक गाड़ी और मौके पर मौजूद रही जब तक घटनास्थल पर दमकल टीम की दोनों गाड़ियां मौके पर पहुंची तब तक शोरूम की छत पर रखी टंकी के पानी से मौजूद लोगों ने आनन फानन के चलते आग पर काबू पा लिया मारुति की वैन ओमनी में लगी आग से हुआ हादसा धूँ धूँ कर जली वैन पूरी तरह जलकर राख हो गई।



फरुखाबाद में प्रीपेड मीटर को लेकर बवाल!

क्यूं न लिखूं सच / जबरन प्रीपेड मीटर लगाने व भारी बिजली बिलों के खिलाफ लोगों में आक्रोश अधीक्षण अभियंता

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश



यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

यादवेंद्र सिंह का घेराव कर सौंपा गया ज्ञापन मांग- प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदला जाए, जबरदस्ती बंद हो जनता बोली-बिजली विभाग बेलगाम- मीटर लगाने के दौरान बदसलूकी और जबरन वसूली के आरोप अधिकारी शिकायत सुनने में असमर्थ, जनता परेशान नेताओं की चेतावनी- भईयन मिश्रा- रवैया नहीं बदला तो होगा बड़ा आंदोलन अंगद पांडे- अधिकारी खुद को सेवक नहीं, राजा समझ रहे वसीमउज्ज जमा खान- जनता एकजुट होकर लड़ेगी बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद अल्टीमेटम जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश

**हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र**  
**दैनिक क्यूं न लिखूं सच**  
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करें-9027776991

# The search for the perfect partner is over! Now Gen-Z is preferring 6-7 dating; what is this new trend?

Gen-Z is now adopting the trend of '6-7 dating' instead of the 'perfect partner', where security, peace, and happiness are prioritized. This new approach emphasizes understanding and trust in relationships over appearances, trend of '6-7 dating'. Prioritizing security and understanding and trust in relationships. Whether it's Bollywood movies or a scene at first sight. However, for Gen-Z, the way generation has found a new and easy way to trend is, which has completely changed the Watching movies and TV shows, we often perfect. However, according to Gen-Z's 6-7 we feel secure, calm, and happy. Why is this shows us the dream of perfect love. In real or among friends, but people reject them for change this thinking. Why is 6-7 dating the new generation believes that in such trustworthy, and caring. Such relationships that appears 10/10 can often prove to be complete commitment and is merely casual person but also focus on yourself. Why is this trend off-putting to some? Some people say that calling a partner a 6 or 7 isn't right. They feel it's a compromise or a decision made out of a fear of loneliness. However, this dating teaches us that understanding and a commitment to togetherness are more important than perfection in relationships.



We've all heard of love at first sight at some point. from a K-drama, older generations still believed in love of falling in love has changed significantly. This new love, called '6-7 dating.' Let's find out what this new old definition of dating. What is this new dating trend? dream of a partner who is 10/10, meaning absolutely dating trend, we should choose a partner with whom trend going viral? The world of films and social media life, relationships often form in school, college, office, fear of not being perfect. Therefore, Gen-Z wants to considered better? This trend is going viral because relationships, the partner is more understanding, have fewer conflicts and more peace. A relationship exhausting, increasing stress. 6-7 dating is not a dating. It's a middle ground, where you trust the other person but also focus on yourself. Why is this trend off-putting to some? Some people say that calling a partner a 6 or 7 isn't right. They feel it's a compromise or a decision made out of a fear of loneliness. However, this dating teaches us that understanding and a commitment to togetherness are more important than perfection in relationships.

# Stress is not only affecting mental health, it's also damaging your skin; it can cause 4 serious problems.

It's commonly believed that stress only affects mental health. But its effects are visible on the skin as well. Stress increases cortisol, weakening the outer layer of the skin. Problems like acne, psoriasis, urticaria, and dermatitis occur. damage. In today's fast-paced lives, stress believe that stress only affects our mind or our skin? Medical science has proven that mentally but also physically, the most understand how. The Stress and Skin body releases the hormone cortisol. It is also balance of the body's immune system. This healing capacity, and increases caused by stress: Stress not only creates new such as: Acne: Cortisol released during increased oil accumulation on the face, and causing acne. Sore throat: This is an response, causing abnormally high to appear on the body. Urticaria: without any external allergen. Anxiety rashes on the skin. Atopic Dermatitis - which makes the skin dry and triggers on Skin Barrier and Recovery - Stress not only invites diseases but also slows down the skin's ability to repair itself. Stress breaks down the skin barrier, allowing pollutants and bacteria to easily penetrate the skin. If you get an injury, it may take longer than usual to heal under stressful conditions.



Skin repair slows down, increasing the risk of external and anxiety have become a part of our lives. We often heart, but did you know that mental health also affects when we are stressed, our body reacts not only profound effects of which are visible on our skin. Let's Connection: When we experience stress or anxiety, our called the stress hormone. This hormone disrupts the change weakens the outer layer of skin, reduces wound inflammatory cytokines in the body. Main problems but also worsens existing skin conditions, anxiety activates the skin's oil glands. This leads to creating a favorable environment for bacteria to thrive autoimmune condition. Stress alters the body's immune production of skin cells. This causes red, scaly patches Sometimes, a red rash and itching appear on the body directly activates the immune system, leading to stress Stress reduces the skin's ability to absorb moisture, inflammatory diseases like eczema or dermatitis. Effect

# Be careful before consuming Ashwagandha! FSSAI warns, using the leaves can be dangerous.

FSSAI has issued a strict advisory regarding the use of Ashwagandha, permitting only the root in supplements, while prohibiting the use of the leaves. FSSAI has banned the use of Ashwagandha leaves. Doctors have overdose and improper use: Pregnant women Ashwagandha. Do you also toss and turn at suffer from office stress and physical fatigue using Ashwagandha in abundance to alleviate confined to the ancient pages of Ayurveda, this popular worldwide. From stress relief capsules candy" abroad, Ashwagandha is everywhere. "magical remedy" and incorporating it into consuming ashwagandha without thinking, growing popularity, ashwagandha scrutiny. Recently, the Food Safety and (FSSAI) issued a strict advisory outlining the What is the FSSAI's warning? In its official that companies should use only ashwagandha supplements and nutraceuticals. Many leaves, which have now been completely what is the reason for the ban on ashwagandha health? Why is there such strictness regarding (Senior Consultant, General Medicine, explains that the root of ashwagandha is the plant. At the same time, its leaves and stems Consuming these leaves regularly can cause intestines and can be highly toxic to the liver. While Ashwagandha is undoubtedly helpful quality, and increasing physical strength, experts warn that it is a medicinal herb. The "more is better" mindset can be harmful. According to medical research, a daily intake of 300 to 600 milligrams of root extract or 3 to 6 grams of root powder is considered safe for a healthy individual. Exceeding this amount can lead to serious side effects, including: stomach upset, vomiting, low blood pressure, and extreme drowsiness. Furthermore, consuming large amounts of Ashwagandha for a long time without consulting a doctor can damage your liver and completely disrupt your thyroid balance. Who shouldn't consume Ashwagandha? Natural ingredients aren't necessarily beneficial for everyone. Doctors suggest that pregnant women, breastfeeding mothers, and those suffering from autoimmune diseases should avoid Ashwagandha altogether. Furthermore, if you have liver problems or are regularly taking blood pressure or thyroid medications, avoid consuming Ashwagandha without consulting your doctor.

## अश्वगंधा के पत्तों पर FSSAI का कड़ा बैन!



highlighted the serious risks of and liver patients should avoid night, unable to sleep? Do you all day? Nowadays, people are these common problems. Once indigenous herb has now become in India to sleep-inducing "sleep People are considering it a their daily diets, but wait! If you're you need to be cautious. With its supplements have come under Standards Authority of India correct method of consuming it. statement, the FSSAI clearly stated roots and extracts in health manufacturers were also using its banned. This raises the question: leaves and how does it harm the leaves? Dr. Nidhin Mohan Narayana Healthcity, Bengaluru) safest and most potent medicinal contain high amounts of alkaloids. severe irritation to the stomach and Overdoses are also dangerous. in reducing stress, improving sleep

# "She's a Tsunami..." Krushna Abhishek gave his aunt Sunita a special name, a surprise on Laughter Chefs 3

Comedians Krushna Abhishek and Kashmera Shah reconciled with their aunt Sunita Ahuja on the set of "Laughter Chefs 3." Krushna affectionately nicknamed her "Tsunami" and announced the end of the family reconciled - Krushna nicknamed 12-year feud between the family. and his wife Kashmera Shah the family reunited, and Krushna Govinda's wife Sunita Ahuja, their aunt to the paparazzi on the filming the surprise episode, how Sunita surprised them on set. nicknamed her "Tsunami." On asked Krishna and Kashmera replied, "Mami has come, it's her nickname, saying, "Mami her Tsunami, not Sunita Mami." paparazzi, telling the paparazzi, she comes." They then promoted Shaadi." The film will be released Riddhima Kapoor, Neetu Satinder Kassoana, and Kapil his aunt - In the promo for the makes a surprise entry into the called out, "Krishna, hey Kashmera. Seeing their aunt, they touched her feet, while Kashmera was in tears. After the episode was shot, Krishna introduced his aunt to the paparazzi. Regarding rumors of a long-standing feud with Govinda's family, he said, "Today we have put an end to all the masala that has been circulating in the media for the last 10-12 years by adding fuel to the fire." Krishna also expressed his heartfelt gratitude to Laughter Chefs and its creative team.



feud. Krushna Abhishek and Sunita Ahuja his aunt Sunita "Tsunami" - ending a 10-A video of comedian Krushna Abhishek recently went viral. After years of feuding, bridged the gap between his aunt and becoming friends. The couple introduced set of Laughter Chefs 3. A few days after Krishna and Kashmera once again shared Meanwhile, Kashmera affectionately the set of Laughter Chefs 3, a paparazzi about the viral video of their aunt. Krishna fun." Kashmera then gave Sunita a Tsunami." Krishna added, "We've named Krishna introduced his aunt to the "She's Tsunami. She's amazing whenever Kapil Sharma's upcoming film, "Dadi Ki in theaters on May 8, 2026. It stars Kapoor, Sadia Khatib, Nikhat Khan, Sharma. Krishna gets emotional after seeing latest episode of Laughter Chefs 3, Sunita show in a black outfit. As she entered, she Krishna," startling both Krishna and were both surprised and emotional. Krishna

# Who was Divyanka Sirohi? Died of a heart attack at the age of 30; a video made two days ago is going viral.

Haryanvi actress Divyanka Sirohi has died of a heart attack at the age of 30. Her sudden demise has shocked the entertainment industry, and her funeral will be held on April 23 in Ghaziabad. Haryanvi actress Divyanka attack on the night of April 21 - funeral will actress Divyanka Sirohi has passed away suffered a heart attack at her home in Uttar family immediately rushed her to a nearby Her sudden demise has shocked the expressed their condolences over her not yet issued an official statement. will be performed in Ghaziabad on April from Bulandshahr, Uttar Pradesh, with her parents and grandmother. After Charan Singh University, she pursued an brother Himanshu and sisters Deepanshu the regional entertainment world by Masoom Sharma. She also had over 1.3 million followers on Instagram. catapulting her into the limelight. She was Talking about her early days in an acting and dancing since childhood. wearing a blue suit, dancing to Punjabi Mummy Nu Pasand Ni Tu,' which went viral because of my expressions. The video received nearly 20 million views. After that, my TikTok followers reached 5 million." Her last Instagram post was on March 19. In the video, she can be seen wearing a blue and white floral dress and dancing to B Praak and Afsana Khan's song 'Barsana Mila Hai.'



entertainment industry. Many artists have untimely passing. However, her family has According to Money Control, her last rites 23rd. Who was Divyanka Sirohi? Originally Divyanka was currently living in Ghaziabad earning a BCA degree from Chaudhary MBA in Sikkim. Her family includes her and Jasmeet. Divyanka made her mark in working on several songs with singer considerable popularity on social media, with One of her videos on TikTok went viral, passionate about acting since childhood. interview, she said, "I was passionate about Around Diwali, I made a TikTok video singer Sunanda Sharma's song 'Meri

# Will Deepika Padukone be out of Raaka amid her pregnancy? Makers react to rumors of her replacement.

After announcing her second pregnancy, there were reports that Deepika Padukone's scenes would be cut from 'Raaka' or that she would be replaced. Now, the makers have responded. Rumors surrounding 'Raaka' after Makers address rumors of Deepika Padukone announces her Deepika Padukone announced her been swirling in film circles about Recently, news emerged that due to Padukone's scenes in 'Raaka' would replaced. Now, the film's makers Will Deepika Padukone be replaced clarified whether Deepika According to a report in the Times statement dismissing rumors of her being replaced. The team stated, plan. Deepika Padukone plays a key progressing smoothly with Shooting action sequences during Padukone announced her actress was also shooting for intense action sequences for the film continue filming even during her Allu Arjun-starrer 'Raaka' is being Atlee. This is the most anticipated film and the actress is leaving no stone unturned in its preparations. Deepika Padukone and Ranveer Singh are expecting their second child together, having welcomed their first child in 2024. They have a daughter named Dua. Last week, Deepika announced her second pregnancy.



Deepika Padukone's pregnancy - Deepika's removal from the film - second pregnancy. Ever since pregnancy, new speculations have her upcoming film 'Raaka'. her second pregnancy, Deepika be reduced or she could even be have responded to these rumors. in 'Raaka'? The 'Raaka' team has Padukone will be a part of the film. of India, the film's makers issued a Deepika's scenes being reduced or "Everything is going according to role in 'Raaka,' and filming is tremendous enthusiasm on set." pregnancy: After Deepika pregnancy, news emerged that the 'Raaka.' The actress is shooting during her pregnancy. She will pregnancy. It's worth noting that directed by the young director